मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 117, मुंबई, मंगलवार, 14 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

# मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

# शरद पवार का खुलासा

## 2014 में शिवसेना को साइडलाइन कर भाजपा राकांपा के साथ मिलकर सरकार बनाना चाहती थी

**संवाददाता**

**मुंबई।** राजस्थान में सरकार पर संकट के बीच महाराष्ट्र में राकांपा प्रमुख शरद पवार ने भाजपा को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि साल 2014 में भाजपा ने राकांपा को गठबंधन करके सरकार बनाने का ऑफर दिया था। भाजपा शिवसेना का साथ छोड़ना चाहती थी। लेकिन यहां भाजपा का ऑपरेशन लोटस कामयाब नहीं रहा। पवार ने गठबंधन में मतभेद के सवाल पर कहा कि उद्धव ठाकरे सरकार 5 साल का कार्यकाल जरूर पूरा करेगी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

### मतभेद के सवाल पर शरद पवार ने कहा- उद्धव ठाकरे सरकार 5 साल का कार्यकाल जरूर पूरा करेगी

### भाजपा के प्रपोजल को हमने हर बार ठुकराया

पवार ने देवेंद्र फडणवीस के उन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने राकांपा के साथ सरकार बनाने की कोशिश की बात कही थी। पवार ने कहा कि भाजपा के साथ सरकार बनाने के लिए हमने कभी भी चर्चा नहीं की। ये प्रपोजल लेकर भाजपा के नेता ही कई बार चर्चा के लिए आए थे। जिसे हर बार ठुकरा दिया गया था।

### भीमा कोरेगांवः अदालत ने खारिज की गौतम नवलखा की जमानत याचिका

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

## राजस्थान में सियासी नूराकुश्ती से महाराष्ट्र सरकार अलर्ट

### सीएम उद्धव से मिले पवार

**संवाददाता / मुंबई।** राजस्थान में राजनीतिक घटनाक्रम के बीच महाराष्ट्र में चल रही गठबंधन की सरकार भी अलर्ट हो गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की है। बताया जा रहा कि दोनों नेताओं के बीच राजस्थान के सियासी घटनाक्रम को लेकर चर्चा हुई है। सीएम उद्धव और शरद पवार के बीच राजस्थान के घटनाक्रम के अलावा महाराष्ट्र में अहम ब्यूरोक्रेटिक नियुक्ति को लेकर भी चर्चा हुई है। असल में, शरद पवार ने सीएम उद्धव ठाकरे से 6 जुलाई को भी मुलाकात की थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

### अभी राजस्थान में क्या चल रहा है

राजस्थान में डिप्टी सीएम सचिन पायलट को मनाने की कोशिश हो रही है। कांग्रेस पार्टी ने सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच मनमुटाव कम करने के लिए मंगलवार सुबह मीटिंग बुलाई है जिसमें पायलट भी आमंत्रित हैं। हालांकि सचिन पायलट ने मीटिंग में जाने से इनकार किया है। इससे पहले, दिन में अशोक गहलोत अपने आवास पर बुलाई बैठक में 100 से ज्यादा विधायकों को जुटाने में कामयाब रहे थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

# विज्ञान में आत्मनिर्भरता

**देश** का विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना जितना जरूरी है, लगभग उतनी ही जरूरी है, इससे संबंधित संसदीय समिति की बैठक। इस बैठक में 30 सदस्यों की मौजूदगी की बजाय महज छह सदस्यों की उपस्थिति कुछ निराश करती है, लेकिन तब भी ऐसे स्पष्ट संकेत हैं, जो इशारा करते हैं कि बैठक में चिंतन की दिशा कारगर रही है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश की अध्यक्षता वाली इस समिति की बैठक का आयोजन पहले ही होना था, लेकिन 23 मार्च के बाद न तो संसद बैठी है और न संसदीय समितियों को बैठक का मौका मिला है। अतः लगभग साढे. तीन महीने बाद संसदीय समिति की बैठक और उसमें कोरोना की चर्चा स्वागतयोग्य है। समिति की बैठक में अगर चीन पर भारत की निर्भरता को लेकर चिंता जताई गई है, तो कोई आश्चर्य नहीं। ऐसा पहली बार हो रहा है, इस विषय पर देश, सांसद व अधिकारी चिंतित हैं। यह सोचना यथोचित है कि किन मामलों में हमें जल्दी से जल्दी आत्मनिर्भर हो जाना चाहिए। पिछले दिनों यह बात कई बार उठी ही है कि दवा उद्योग कच्चे माल के लिए बहुत हद तक चीन पर निर्भर है। क्या हम कच्चे माल को भारत में ही तैयार नहीं कर सकते? पिछले साल संसद में एक लिखित जवाब में सरकार ने बताया था कि 2016 से 2019 के बीच भारत के 65 प्रतिशत से अधिक थोक दवाओं और दवा की कच्ची सामग्रियों का आयात चीन से हुआ। 15 जून को गलवान घाटी में जो हुआ है, उसने हमें चेता दिया है कि निर्भरता उसी देश पर सही है, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकते हैं। हमें सोचना होगा, विज्ञान व तकनीकी के मामलों में कोई देश हमें निर्भर बनाकर लाचार तो नहीं कर रहा। संसदीय समिति में यह प्रश्न अगर ईमानदारी से उठा है, तो यह आत्मनिर्भर होने की दिशा में एक शुरूआत है। विकसित होते किसी भी देश के पास जरूरत के हर सामान होने ही चाहिए। विशेष रूप से भारत जैसे जैव विविधता संपन्न देश में आत्मनिर्भरता असंभव नहीं है। घरेलू फार्मा उद्योग को सशक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास सरकार को करने चाहिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिससे पूरी दुनिया को उम्मीद है, क्योंकि भारत सस्ती जेनेरिक दवाओं के उत्पादन में महारत रखता है। संसदीय समिति की तीन घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में देश के शीर्ष वैज्ञानिक भी शामिल थे। इसमें वेंटिलेटर सहित कम लागत वाले तमाम स्वास्थ्य उपकरण बनाने की जरूरत पर भी चर्चा हुई है। चर्चा हुई कि क्या वेंटिलेटर भी 25,000 से 30,000 रुपये की कीमत पर बनाया जा सकता है? विज्ञान और प्रौद्योगिकी मामलों की ऐसी उच्च स्तरीय बैठकें अगर लगातार होती रहें, तो एक-एक कर तमाम कमियां सामने आएंगी और उनको दूर करने के उपायों पर भी चर्चा हो सकेगी। समिति की बैठक में विगत तीन महीनों में अर्जित कामयाबियों को भी सामने रखा गया। एक और खास संकेत उभरा है कि कोरोना की दवा आने में वक्त लगेगा। 15 अगस्त की जो तारीख बताई गई थी, वह संभवतः उत्साहवर्द्धन के लिए थी। सचमुच, देश को ऐसी बैठकों की जरूरत है। साथ ही, ऐसी बैठकों में ज्यादा से ज्यादा सांसदों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके लिए संसदीय नियमों में परिवर्तन कर ऑनलाइन बैठकों को बढ़ावा देना समय की मांग है।

# वेब जगत में फैल रहे सांस्कृतिक संक्रमण से मुक्ति के लिए भी एक वैक्सीन की आवश्यकता

**यूं** तो वेब जगत की कहानी और उसके करतब ना तो नए हैं और ना ही किसी से छिपे हैं। किंतु पिछले कुछ वर्षों में इसकी सामग्री (कंटेंट) में आमूल-चूल परिवर्तन देखे गए हैं। यह दुनिया बड़ी ही निराली है जिसमें विश्व की अच्छी-बुरी, सच्ची-झूठी हर प्रकार की जानकारी व मनोरंजन आसानी से उपलब्ध है। इसे कोई भी व्यक्ति विश्व के किसी भी कोने से सरलता से ना केवल उपयोग कर सकता है, बल्कि अपलोड भी कर सकता है। जहां यह वेब जगत जहां ज्ञान, सूचनाओं, जानकारियों, उपलब्धियों तथा समाचारों का सुगम व त्वरित उपलब्ध माध्यम है, वहीं इसमें अनेक विकृतियां भी हैं। यह संसार के अनेक अधर्मों, अपराधों, दुष्कर्मों, व्यसनों, दुराचारों के साथ आतंकवाद, सांप्रदायिकता, विद्वेष तथा देश-द्रोह तक को प्रोत्साहित करता है। इसमें स्वच्छंदता का स्तर इतना गिर चुका है कि धार्मिक, सामाजिक व राष्ट्रीय मानबिंदुओं का उपहास तो ऐसे उड़ाया जाता है कि जैसे इनका कोई मूल्य है ही नहीं। अनेक हिंदू देवी-देवताओं के प्रति फूहड़ता व निकृष्टतम मजाक, धर्म-ग्रंथों, मठ-मंदिरों, ऋषि-मुनियों, संतों-महापुरुषों, स्वतंत्रता-सेनानियों, अमर-बलिदानियों, वीर-माताओं तथा ऐतिहासिक व पुरातन कलाकृतियों इत्यादि के विषय में घटिया मानसिकता का प्रसारण आज सोचने को मजबूर करता है। इस वेब जगत में फैली माता-पिता, गुरुजनों तथा मार्गदर्शकों के प्रति घृणा, अश्लीलता व नग्नता किशोर व युवा वर्ग के मन-मस्तिष्क को भी बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। अनेक लोग अपने धर्म-पथ से विमुख हो कर देश, धर्म, समाज व न्याय व्यवस्था के ही नहीं, बल्कि स्वयं के भी जानी दुश्मन बनते देखे गए हैं। असंख्य वेब साइट्स, वीडियो चैनल, वेब सीरीज, कॉमेडी शो, एप्स आदि अनवरत चलते रहते हैं। बात चाहे नेट फ्लिक्स पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों झलीला-, -सेक्रेड गेम्स- आदि की हो या अमेजन प्राइम वीडियो के -पाताल लोक- सरीखे कार्यक्रमों की या फिर एएलटी बालाजी के -एक्सएक्सएक्स2- की हो या एमएक्स प्लेयर के रक्तांचल- की, वूट के -असुर- की हो या डिज्नी प्लस की तथाकथित कलाकृतियों की या फिर अन्य अनगिनत कॉमेडी शो की, किसी ने भी तो कसर नहीं छोड़ी। इन रचनाओं के कुपात्रों में चाहे कुनाल कामरा हो या एजाज खान, आलोकेश सिन्हा हो या सुरलीन कौर, सभी ने एक ही सोच को परिलक्षित किया है, वह यह कि हिंदू धर्म का कितना ही उपहास उड़ा लो, क्या फर्क पड़ता है। भगवान ब्रह्मा-विष्णु-महेश हों या श्री लक्ष्मी-गणेश-सरस्वती, माता पार्वती व सीता हों या श्रीराम-कृष्ण, कोई भी तो नहीं छूटा प्रसिद्धि पाने की इनकी लालसा से। संतों-महंतों व ऋषि-मुनियों की तो बात ही क्या! एक बात और है कि ऐसी ही बातें यदि किसी अन्य गैर-हिंदू सेकुलर संप्रदाय या उनके मानबिंदुओं के विषय में गलती से भी इनके मुख से निकल गईं होतीं तो इन जनाब या मोहतरमा का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया होता। एक प्रश्न यह भी है कि क्या ये लोग मात्र अपनी प्रसिद्धि या पैसों के लिए यह सब कर रहे हैं या ये एक सोची-समझी रणनीति के तहत हिंदू धर्म तथा भारतीय संस्कृति के विरुद्ध किसी गहरे षड्यंत्र के सहभागी हैं। क्या यह सब सिर्फ किसी व्यक्ति, निमार्ता या निर्देशक की हिंदू द्रोही या देश विरोधी मानसिकता की उपज है या ईसा-मूसा व कम्यूनिस्टों के इशारों का परिणाम है? इस सब का एक कारण यह भी है कि असीमित परिमिति में फैली इस वेब जगत की समालोचना करने वाला कोई है ही नहीं। यह पूरी तरह से अनियंत्रित व निरंकुश दुनिया है। फिल्मों को प्रमाणित करने के लिए फिल्म सर्टिफिकेशन बोर्ड है तथा टीवी सीरियलों को भी उनके प्रसारण पूर्व बारीकी से जांचा-परखा जाता है। किंतु इस प्रकार की कोई भी व्यवस्था इस संपूर्ण वेब जगत के लिए नहीं है। हाल ही में विश्व हिंदू परिषद ने वेब जगत के दोषों के निवारण तथा उसे समस्त भारत वासियों के लिए सर्वथा उपयोगी बनाने हेतु भारत से अपलोड होने वाले या भारत में दिखाए जाने वाली समस्त सामग्री की जांच व प्रमाणन की उचित व्यवस्था के लिए एक वेब जगत नियामक बोर्ड बनाए जाने के लिए भारत सरकार को पत्र लिखा है, ताकि इसके दोषों को दूर कर इसे व्यवस्थित करते हुए सभी के लिए सदुपयोगी बनाया जा सके। वैसे भी निरंकुश व्यवस्था अनेक प्रकार के दोषों को जन्म देती है तो इसके लिए निदेशकों की उचित व्यवस्था आखिर क्यों ना हो? परिषद की ओर से तमाम संबंधित कंपनियों व संस्थानों को भी इस बारे में पत्र लिखकर अनुरोध किया गया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि जिन कंपनियों, निमार्ताओं, निर्देशकों या कलाकारों के द्वारा यह सब किया जा रहा है, उन्हें तुरंत बंद कर देना चाहिए। भारत सरकार अविलंब इस पर कार्रवाई कर वेब जगत स्वच्छता अभियान प्रारंभ करे तथा इसे संक्रमित करने वालों के लिए कठोर दंड की व्यवस्था करे। सभी संबंधित पक्षों को यह समझाना होगा कि राष्ट्र-भक्त हिंदू समाज सहिष्णु तो है, किंतु कायर नहीं। कहीं ऐसा ना हो कि पीड़ित समाज अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए सड़कों पर उतर आए। इसके लिए सरकार को भी इसकी गंभीरता को समझते हुए अपनी ओर से सार्थक पहल करने के लिए आगे आना चाहिए। समय रहते यदि सरकार हमारी संस्कृति पर हो रहे प्रहार को नहीं रोक पाई तो फिर समाज को इसके संक्रमण से बचाने के लिए वैक्सीन विकसित करना होगा।

# मर गया विकास, पर जिंदा हैं सवाल....

**कानून** के नजरिये से भी, आठ पुलिसकर्मियों की हत्या करने के बाद विकास दुबे को मौत की ही सजा मिलती, पर उसे कानून पर भरोसा होता तो वह जरायम की अंधेरी राह पर चलता ही क्यों? यकीनन वह कानून नहीं मानता था। इसीलिए जब पुलिस दल उसे गिरफ्तार करने उसके गांव पहुंचा तो उसने जाल बिछाकर आठ वदीर्धारियों को मार डाला। वह अंधेरे का लाभ उठाकर भाग गया और कई दिन भागता रहा। कानून के रक्षक भी उसके पीछे भाग रहे थे। विकास दुबे को शायद पहली बार कानून के हाथों की लंबाई का अहसास हो रहा था। इसलिए सात-आठ दिन भागकर उसे अंततः महाकाल की याद आई, जहां हर साल सावन में वह जाता था। वह मंदिर परिसर तक पहुंच भी गया, पर भगवान के दरबार में उसे प्रवेश नहीं मिला। वह वहीं दबोच लिया गया और 24 घंटे के भीतर पुलिस की गोलियों से अपनी गति को प्राप्त कर लिया। ऐसा अभागा भला कौन होगा जिसके माता-पिता उसके शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दें और उसकी मौत पर संतुष्टि जाहिर करें। खैर, विकास दुबे मर गया, पर वे सारे सवाल जिंदा हैं

जिनके जवाब से पता चल सकता है कि वह इंसान से दरिंदा कैसे बन गया। कुछ हमदर्दों के नाम वह खुद बता गया, पर तमाम चेहरों से पर्दा हटना बाकी है।

विकास दुबे ने 20 वर्ष पहले थाने में घुसकर भाजपा नेता संतोष शुक्ला की हत्या कर दी थी। हत्या करके वह पांच महीने फरार रहा। फिर अपनी सुविधानुसार आत्मसमर्पण किया और कुछ साल बाद उस मामले में बरी हो गया। सबके सामने बड़ा सवाल है। यदि कोई अपराधी थाने में कानून के रक्षकों की आंखों के सामने हत्या करके बच जाएगा तो फिर वह पुलिस, कानून और अदालत से भला क्यों डरेगा? इस सवाल का जवाब कौन देगा कि इस अपराधी को बरी करवाने के लिए कानून की आंखों में धूल झोंकने वाले कौन लोग थे? जिस अपराधी के लिए किसी भी समस्या से निपटने का सबसे आसान तरीका किसी की हत्या कर देना था, उसके सामने कानून के सारे अस्त्र-शस्त्र कुंठित क्यों हो गए? पुलिस-प्रशासन ने किस संकोचवश उसके ऊपर कभी भी गैंगस्टर और रासुका जैसे कानून इस्तेमाल नहीं किए? कई वीडियो वायरल हैं जिनमें वह यूपी में सत्तारूढ़ रह चुके बड़े नेताओं के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों की बात कर रहा है। उसके साथ गलबहियां डाले नेताओं की तस्वीरें भी वायरल हैं। इन नेताओं को सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए कि इतने बड़े अपराधी के साथ उनके इतने अंतरंग रिश्ते कैसे बन गए? क्या उन्हें सचमुच यह जानकारी नहीं थी कि इस अपराधी ने थाने के भीतर हत्या की थी। विकास दुबे पहला अपराधी नहीं, जिसे प्रदेश की पुलिस और राजनीति का संरक्षण मिला। इन्हीं छतरियों की छांव में पलकर कई अपराधी अब तक विधायी सदनों को शर्मिंदा कर रहे हैं, इसलिए एक सवाल जनता के सामने भी, कि उसके वोट किसी माफिया के पक्ष में कैसे पड़ जाते हैं?

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, मंगलवार
14 जुलाई, 2020



# भीमा कोरेगांव: अदालत ने खारिज की गौतम नवलखा की जमानत याचिका

**मुंबई।** मुंबई की एक विशेष अदालत ने रविवार को एल्गार परिषद मामले के एक आरोपी-सामाजिक कार्यकर्ता गौतम नवलखा को वैधानिक जमानत देने से इनकार कर दिया। नवलखा ने यह दावा करते हुए अपराध दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 167 के तहत वैधानिक जमानत मांगी कि वह 90 से अधिक दिनों से हिरासत में हैं। नवलखा ने डिफॉल्ट जमानत के लिए याचिका दायर की थी। दरअसल उन्होंने इस साल 14 अप्रैल को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सामने आत्मसमर्पण किया था। वह नवी मुम्बई की तलोजा जेल में हैं। वह 2018 में 29 अगस्त से एक अक्टूबर तक घर में नजरबंद थे। उनके वकील ने कहा कि अदालत को घर में उनके मुवक्किल को नजरबंद रखे जाने को भी जांच एजेंसियों की हिरासत की अवधि मानना चाहिए। दूसरा, जांच एजेंसी ने 90 दिनों की निर्धारित अवधि में आरोपपत्र दायर भी नहीं किया है। एनआईए की ओर से पेश हुए अतिरिक्त

सॉलिसीटर जनरल अनिल सिंह ने कहा कि (नवलखा की) यह अर्जी विचार के योग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने नजरबंदी का आदेश दिया था और यह अवधि सीआरपीसी की धारा 167 के तहत हिरासत नहीं होगी। एनआईए की बातों से सहमत होते हुए विशेष न्यायाधीश दिनेश कोलठालिकर ने यह दलील खारिज कर दी कि नजरबंदी को हिरासत अवधि माना जाए। अदालत ने कहा कि नवलखा नजरबंदी के दौरान जांच एजेंसियों की हिरासत में कभी नहीं रहे। नवलखा को अदालत ने दस दिनों के लिए एनआईए की हिरासत में भेजा था। जांच एजेंसी ने यह कहते हुए हिरासत की मांग की थी कि उसे इस मामले में साजिश का खुलासा करने के लिए उनसे पूछताछ करने की जरूरत है। अदालत ने नवलखा और अन्य आरोपी सामाजिक कार्यकर्ता डॉ आनंद तेलटुम्बेडे के खिलाफ आरोपपत्र दायर करने के लिए 90 दिनों को बढ़कर 180 दिन करने की एनआईए की मांग मान ली।

**ये है पूरा मामला:** नवलखा को एल्गार परिषद माओवादी लिंक मामले में अन्य के साथ गिरफ्तार किया गया था। इस साल जनवरी में यह मामला पुणे पुलिस से लेकर एनआईए को सौंपा गया था। यह मामला 31 दिसंबर, 2017 में पुणे के एल्गार परिषद सम्मेलन में कथित उत्तेजक भाषण देने से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार इसी के बाद अगले दिन कोरेगांव भीमा वार मेमोरियल के पास हिंसा हुई थी।

## बुलढाणा जिले में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 462 के पार फिर मिले 10 नए संक्रमित, 18 संक्रमित ने कोरोना को दी मात

**बुलडाणा।** जिले में कोरोनावायरस का संक्रमण थमने का नाम ही नहीं ले रहा है विगत कुछ दिनों से मरीजों की संख्या तेजी के साथ बढ़ रही है 12 जुलाई से कोरोना संक्रमित की संख्या बढ़ने के बाद रविवार को उसमें बढ़ोतरी होकर 17 पॉजिटिव मिले थे सोमवार को और 10 नए पॉजिटिव मिलने के कारण जिले में कोरोना संक्रमण की स्थिति चिंताजनक हो गई है स्वास्थ्य विभाग की ओर से सोमवार की शाम को जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार आज 198 को के स्वयं नमूने की जांच रिपोर्ट में से 148 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव मिली है जबकि 10 लोग क्रोना संक्रमित पाए गए हैं इसी के साथ जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 492 हो गई। पॉजिटिव अहवाल मे चिखली से 28 वर्षीय महिला, 33 वर्षीय पुरूष, लक्ष्मी चौक मलकापूर से 47 वर्षीय पुरूष, माळीपुरा चिखली से 26 वर्षीय पुरूष, बाळापूर फैल खामगांव से 25 वर्षीय पुरूष, खामगांव यसे 51 वर्षीय महिला व 39 वर्षीय पुरूष, हिवरखेड ता. लोणार से 18 वर्षीय तरूणी, नांदुरा से8 वर्षीय लडका व 30 वर्षीय पुरूष कोरोना संक्रमित है। ईसी तरह आज 18 मरीजो ने कोरोना को मात दी है ईन्हे वैद्यकीय प्रोटोकॉल के अनुसार छुट्टी दे दी गई है। इनमे घासलेटपुरा नांदुरा से 45 वर्षीय पुरूष, सिव्हील लाईन खामगांव से 45 वर्षीय पुरूष, आळसणा ता. शेगांव से 55, 38 व 30 वर्षीय महिला, 12 व 6 वर्षीय मुलगा, 10,8, 3 व 2 वर्षीय मुलगी, 14 वर्षीय युवक, 30 वर्षीय पुरूष, ताज नगर नांदुरा से 62 वर्षीय पुरूष, जामा मस्जीद के करीब मेहकर से 15 वर्षीय दो युवती, 9 वर्षीय लडका और डिएसडी बुलडाणा से 44 वर्षीय पुरूष का समावेश आहे। ईसी तरह जिले में अब तक 4726 नेगेटिव रिपोर्ट प्राप्त हुई है अब तक 72 स्वैब के नमूने प्रतीक्षा में है जिले में अब तक 492 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं इनमें से 270 मरीजों ने कोरोना को मात दी है।

## बुलढाणा में बच्चे की बॉडी समझ डॉक्टरों ने एक खिलौने का शुरू किया पोस्टमॉर्टम

## फोम निकलने पर हुआ गलती का एहसास

**नदी किनारे से बरामद खिलौना। इसपर कीचड़ लगने के कारण कारण यह कड़क होकर बच्चे की तरह नजर आ रहा था।**

**संवाददाता**

**बुलढाणा।** महाराष्ट्र के बुलढाणा से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सोमवार सुबह यहां एक खिलौने को एक नवजात बच्चे की डेडबॉडी समझ डॉक्टरों ने उसका पोस्टमॉर्टम कर दिया। पेट काटने पर उसमें से स्पंज मिला तो डॉक्टरों को अपनी गलती का एहसास हुआ। एक बच्चे की तरह नजर आने वाला यह खिलौना खामगांव तहसील के बोराजवाला गांव में नदी किनारे एक झाड़ी से बरामद हुआ। स्थानीय ग्रामीणों ने फोन कर पुलिस को बताया कि झाड़ियों में 7-8 महीने का एक बच्चा पड़ा हुआ है। मौके पर पुलिस टीम पहुंची और बाकायदा उस खिलौने का पंचनामा हुआ। इसके बाद उसे पोस्टमॉर्टम के लिए जिला हॉस्पिटल भेज दिया गया।

### ऐसे डॉक्टरों को हुआ अपनी गलती का एहसास

पोस्टमॉर्टम की टेबल पर दो डॉक्टरों ने जब उसका पेट काटा तो दोनों की आंखें फटी की फटी रह गईं। इसमें से फोम निकलता हुआ देख डॉक्टरों को अपनी गलती का एहसास हुआ। डॉक्टरों कां कहना है कि खिलौने पर कीचड़ सूख गया था। इस मामले की जांच करने वाले इंस्पेक्टर एसएल चव्हाण ने बताया कि वह कड़क होकर एक बच्चे की तरह नजर आ रहा था। इसी वजह से गलतफहमी हुई। अब इस घटना की इलाके में खूब चर्चा है और लोग सोशल मीडिया में डॉक्टरों और पुलिसवालों का जमकर मजाक बना रहे हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

**शरद पवार का खुलासा**

शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' को दिए इंटरव्यू में पवार ने ये बातें कही हैं। उन्होंने कहा- राकांपा ने सरकार बनाने के लिए भाजपा से कभी चर्चा नहीं की। शिवसेना को दूर करके हम सरकार बनाएं- ये ऑफर भाजपा का था, लेकिन अब 'ठाकरे सरकार' पांच साल तक चलेगी। पवार ने कहा कि सरकारें अस्थिर करना सत्ता का दुरुपयोग है। 'ऑपरेशन लोटस' उसी का हिस्सा है, लेकिन महाराष्ट्र में ये नहीं चलेगा। पवार ने आगे कहा कि महाराष्ट्र में तीन दलों की सरकार है। तीनों में संवाद जारी रहना महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सहयोगियों से बातचीत जारी रखी तो कोई भी ऑपरेशन फेल साबित होगा। पवार ने कहा- महाराष्ट्र के लोगों ने लोकसभा चुनाव में देश की भावनाओं के अनुरूप मतदान किया, लेकिन विधानसभा चुनाव के दौरान मिजाज बदल गया। भले ही भाजपा ने लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वह विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव में बुरी तरह विफल हुई। यहां तक कि महाराष्ट्र के लोगों ने भी परिवर्तन के लिए मतदान किया।

**राजस्थान में सियासी नूराकुश्ती से महाराष्ट्र सरकार अलर्ट**

कहा जा रहा था कि एनसीपी और शिवसेना के बीच मुंबई में आईपीएस अधिकारियों के तबादले को लेकर कुछ तकरार है। महाराष्ट्र में चूंकि गृह मंत्रालय एनसीपी के पास है, ऐसे में मुंबई में आला पुलिस अधिकारियों के तबादलों के सारे फैसले गृह मंत्री अनिल देशमुख ले रहे हैं। शिवसेना चाहती है कि किसी भी तरह के तबादले की जानकारी उनके पास होनी चाहिए। बहरहाल, शरद पवार से पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और राजस्व मंत्री बालासाहब थोराट ने भी सीएम उद्धव ठाकरे से मुलाकात की थी। दिलचस्प बात ये है कि शिवासेना के मुखपत्र समाना के कार्यकारी संपादक संजय राउत से शरद पवार ने अपने इंटरव्यू में कह चुके हैं कि महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार में सहयोगी पार्टियों के बीच और अधिक बातचीत करते रहने की जरूरत है। बता दें कि महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कुछ नेता अक्टूबर में कुछ 'आश्चर्यजनक' घटने की बातें कहते रहे हैं।

# पीएल शर्मा रोड व्यापारी संगठन के व्यापारियों में बंद को लेकर काफी असमंजस

**पीएल** शर्मा रोड व्यापारी संगठन के व्यापारियों में बंद को लेकर काफी असमंजस परिस्थिति में फंसा हुआ है। क्योंकि व्यापारियों को पूरे माह में मेरठ प्रशासन द्वारा दाएं और बाएं को लेकर 12 दिन दुकान खोलने को मिल रही थी तथा बुधवार को पीएल शर्मा रोड का संपूर्ण लोक डाउन रहता था दिनांक 12 ,7, 2020 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश के समस्त जिला प्रशासन के लिए यह आदेश पारित किया गया कि उत्तर प्रदेश समस्त जिलों में में शनिवार वह

रविवार को संपूर्ण लोक डाउन रहेगा जिसको लेकर व्यापारियों को काफी समस्या हो रही है। वह इस दुविधा में है की करें तो क्या करें आज समस्त व्यापारियों ने पीएल शर्मा रोड व्यापार संगठन के महामंत्री चौधरी शमसुद्दीन को बुलाकर वार्ता की तथा कहा की पहले हम लोग पूरे माह में 12 दिन दुकान खोलते थे पर अब हमको सप्ताह में 3 दिन लॉकडाउन तथा दाएं और बाएं के हिसाब से दो-दिन हमारे प्रतिष्ठान खुलेंगे इस समस्या को संज्ञान में लेते हुए चौधरी शमसुद्दीन जिलाधिकारी महोदय एवं अपर जिलाधिकारी महोदय एवं एसीएम श्रीमती सुनीता सिंह जी से फोन पर बात की तथा आग्रह किया कि योगी आदित्यनाथ जी के आदेशों को ध्यान में रखते हुए समस्त पीएल शर्मा रोड को 5 दिन के लिए खोला जाए जिससे व्यापारियों को राहत की सांस मिल सके। इस मौके पर नौशाद आलम धर्मेंद्र प्रधान अमित शर्मा विनोद चावला हाजी असलम देवेंद्र अरोड़ा तौसीफ अहमद अरमान मलिक उस्मान मलिक नसीम संदीप आदि उपस्थित थे।

# अमिताभ के 26 स्टाफ मेंबर्स की टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव, अभिषेक के को-एक्टर अमित साध भी पॉजिटिव नहीं

संवाददाता

**मुंबई।** बच्चन परिवार के चार सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के बाद राहत की खबर आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फैमिली में काम करने वाले 26 सदस्यों का स्वाब टेस्ट निगेटिव आया है। रविवार को बिग बी के बंगले जलसा को कंटेनमेंट जोन घोषित करने के बाद परिवार के बाकी सदस्यों और स्टाफ को क्वारैंटाइन किया गया

था और सभी का टेस्ट भी किया गया था। वेब सीरीज 'ब्रीद : इंटू द शैडोज' में अभिषेक बच्चन के साथ नजर आ रहे अमित साध ने कोविड टेस्ट करा लिया है और उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। अभिनेता ने सोमवार को ट्विटर पर यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा, चिंता और दुआओं के लिए शुक्रिया। यह ऐसा वक्त है, जब मैं खुश होकर बता रहा हूं कि मैं निगेटिव हूं। जो लोग इससे (कोरोना) जूझ रहे हैं, उनके लिए मेरी प्रार्थना जारी है। लव यू। एकता में ही शक्ति है।

**अमिताभ-अभिषेक की हेल्थ अपडेट:** शनिवार को अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन नानावटी हॉस्पिटल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती हुए थे। ताजा रिपोर्ट्स में हॉस्पिटल से जुड़े सूत्रों के हवाले से लिखा गया है कि दोनों की हालत में सुधार है। दोनों को रात में वही खाना दिया गया, जो बाकी कोरोना मरीजों को दिया जा रहा है। नानावटी अस्पताल की क्रिटिकल केयर सर्विस के डायरेक्टर डॉ. अब्दुल समद अंसारी की निगरानी में दोनों के सभी टेस्ट और जरूरी चेकअप किए जा रहे हैं।

# डिलाई रोड यंग जीवदया जैन ग्रुप तखतगढ़ युवा मंच द्वारा सेवाकार्य

संवाददाता

**कोरोना** संक्रमण काल में डिलाई रोड यंग जीव दया जैन ग्रुप द्वारा गरीबों एवं (ब्लाइंड) कैंसर पीड़ित लोगों को खाना खिलाना, राशन का किट देना, गायों को रोटी देना, कबूतरों को दाना देना इस प्रकार के कार्य 20 मार्च 2020 से 30 जून 2020 तक किए गए। रोजाना लगभग 3000 लोगों तक खाना खिलाने जाते थे। ओर हर रविवार को कोई भी केचर पीड़ित या ब्लाइंड आश्रम में जाकर छोटा प्रोग्राम करके सब को खाना या कपड़े देने की

व्यवस्था करते थे। जैन साधर्मिक भाई को भी राशन किट की व्यवस्था की। इन दोनो संस्थाओं के योद्धाओ ने कोरोना संक्रमण काल में बहुत मेहनत की। इस टीम में बहुत ही अच्छी सेवा दी हर रविवार को गरीबो को का भोजन भी चालू है यह सेवा कार्य इनका आज भी अनवरत रूप से चालू है और आगे भी चालू रहेगा। डिलाई रोड यंग जैन ग्रुप के श्री श्रेणिकजैन (श्रीपाल जैन) राज. बांकली डिलाइरोड निवासी ने एवं उनकी टीम ने की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा।

# सीमा विवाद पर राहुल गांधी का तंज

**पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष बोले- वो सो रहे हैं और भारत इसकी कीमत चुका रहा है, योजना के तहत चीन ने सीमा पर सेना बढ़ाई थी**

संवाददाता

**नई दिल्ली।** भारत-चीन विवाद पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर फिर से निशाना साधा। राहुल ने सोमवार को बिना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए कहा कि वो सो रहे हैं और भारत इसकी कीमत चुका रहा है। ट्विटर पर एक मीडिया रिपोर्ट को शेयर करते हुए राहुल ने केंद्र की भाजपा सरकार को जमकर कोसा। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सीमा पर चीन ने जो कुछ भी किया, उसके लिए उसने पहले से ही योजना बना रखी थी। भारत-चीन के बीच तनाव उस वक्त बढ़ गया था, जब दोनों देशों के बीच 15 जून को गलवान में हुई झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हो गए थे। चीन के भी 40 सैनिक मारे गए थे, लेकिन उसने यह कबूला नहीं। राहुल गांधी का ये बयान ऐसे समय आया है, जब सीमा पर शांति बहाली के लिए दोनों देशों की सेनाएं विवादित क्षेत्रों से पीछे हट रहीं हैं। केंद्र सरकार ने गुरुवार को ही चीन के साथ दूसरे चरण की बातचीत की घोषणा की थी।

**कोरोना की स्थिति पर भी राहुल गांधी ने उठाए सवाल**

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना की स्थिति को लेकर सवाल उठाये और पूछा कि क्या इस लड़ाई में हमारी स्थिति अच्छी है। उन्होंने भारत, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड सहित कुछ देशों में कोरोना के मामलों को लेकर एक तुलनात्मक ग्राफ दिया है और भारत में कोरोना की स्थिति को लेकर सरकार से सवाल किया है। उन्होंने कोविड संक्रमण में बढ़ोतरी का आंकड़ा देते हुए ट्वीट किया, क्या कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत अच्छी स्थिति में है?

**महंगाई ने बढ़ाई आरबीआई की दुविधा**

# जून में खुदरा महंगाई की दर 6.09% पर पहुंची

**आरबीआई की अधिकतम सीमा के पार हुई**

संवाददाता

**नई दिल्ली।** जून में देश की खुदरा महंगाई की दर 6.09 फीसदी दर्ज की गई। यह दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिए गए रेंज से ज्यादा है। इससे आरबीआई दोहरे संकट में फंस गया है। आरबीआई की दुविधा यह है कि वह ब्याज दर बढ़ाकर महंगाई कम करे या इसे घटाकर आर्थिक विकास तेज करे। सरकार ने आरबीआई को खुदरा महंगाई की दर दो फीसदी की घटबढ़ की गुंजाइश के साथ औसत 4 फीसदी पर बनाए रखने की जिम्मेदारी दी है। लेकिन, आरबीआई के ऊपर आर्थिक विकास दर को तेज रखने की भी जिम्मेदारी है। मौजूदा स्थिति में ये दोनों बातें जरूरी हैं। सोमवार को मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटस्टिक्स एंड प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन की तरफ से जारी डाटा के मुताबिक, जून 2020 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर 6.09 फीसदी रही। इस दौरान खुदरा खाद्य महंगाई दर 7.87 फीसदी रही। इससे पहले अप्रैल और मई में सरकार ने लॉकडाउन की वजह से महंगाई के आंकड़े जारी नहीं किए थे। सरकार ने तब कहा था कि लॉकडाउन की वजह से डाटा नहीं जुटाया जा सका है, जिसकी वजह से महंगाई दर का आंकड़ा नहीं जारी किया जाएगा।

**अप्रैल और मई में खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी नहीं हुए थे**

## मार्च में खुदरा महंगाई की दर 5.84% थी

सरकार ने अप्रैल और मई में खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी नहीं किए थे। लेकिन अप्रैल में मार्च की महंगाई दर के आंकड़े रिवाइज किए गए थे। मार्च में पहले खुदरा महंगाई दर 5.91 फीसदी बताई गई थी, जिसे अप्रैल में रिवाइज करके 5.84 फीसदी कर दिया गया था।

## मई के मुकाबले जून में गिरी खुदरा खाद्य महंगाई दर

खुदरा खाद्य महंगाई दर में मई के मुकाबले जून में गिरावट दर्ज की गई है। मई में खुदरा खाद्य महंगाई दर 9.20 फीसदी थी। यह जून में घटकर 7.87 फीसदी पर आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक का 39.06 फीसदी योगदान होता है।

# ओली ने कहा- असली अयोध्या नेपाल में है, भारत में नहीं

**भगवान राम भी नेपाली थे**

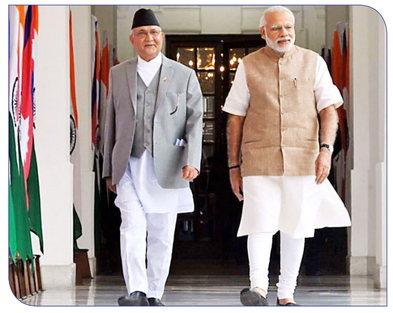

संवाददाता

**काठमांडू।** सीमा विवाद के बीच नेपाल ने एक और प्रोपेगैंडा शुरू कर दिया है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने बयान दिया है कि भगवान राम भारतीय नहीं, नेपाली थे। उन्होंने यह भी कहा कि असली अयोध्या भारत में नहीं, नेपाल में है। ओली अपने निवास पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने भारत पर सांस्कृतिक दमन का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि विज्ञान के लिए नेपाल के योगदान को हमेशा नजरंदाज किया गया। ओली ने कहा- हमारा हमेशा से ही मानना रहा है कि हमने राजकुमार राम को सीता दी। लेकिन, हमने भगवान राम भी दिए। हमने राम अयोध्या से दिए, लेकिन भारत से नहीं। उन्होंने कहा कि अयोध्या काठमांडू से 135 किलोमीटर दूर बीरगंज का एक छोटा सा गांव थोरी था। हमारा सांस्कृतिक दमन किया गया और तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा गया है।

**सीमा विवाद के बीच विवादित बयान:** ओली का बयान उस समय आया है, जब भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद चल रहा है। नेपाल ने अपने नए राजनीतिक नक्शे को मंजूरी दे दी है। इसमें तिब्बत, चीन और नेपाल से सटी सीमा पर स्थित भारतीय क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधूरा को नेपाल का हिस्सा बताया गया है। भारत ने नेपाल की इस हरकत पर कड़ा ऐतराज जाहिर किया था और चीन का नाम लिए बगैर कहा था कि नेपाल ऐसा दूसरों के कहने पर कर रहा है।

**अपनी ही पार्टी में घिरे हैं ओली:** ओली ने यह बयान तब दिया है, जब वो अपनी पार्टी एनसीपी में अकेले पड़ गए हैं। पार्टी के नेता ही उनसे इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। लेकिन ओली इस्तीफे को तैयार नहीं हैं। उनके मुख्य विरोधी पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ओली के इस्तीफे से कम पर मानने को तैयार नहीं हैं। दोनों नेताओं के बीच 6 दौर की बातचीत हो चुकी है। हालांकि, मसला सुलझने के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे।

# मुंबई के डब्बावालों ने बच्चन परिवार के लिए की प्रार्थना

संवाददाता

**मुंबई।** पूरे मुंबई में लोगों को तय समय पर खाना पहुंचाने वाले सैकड़ों डब्बावालों ने भी मेगास्टार अमिताभ बच्चन, उनके परिवार और देश के अन्य पीड़ित लोगों के जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना की है। डब्बावालों ने सोमवार को इसके लिए विशेष पूजा का आयोजन किया। डब्बावाला यूनियन के अध्यक्ष सुभाष तलेकर और अन्य डब्बावालों ने मिलकर महानायक अमिताभ बच्चन के और उनके परिवार के लोगों के लिए यज्ञ किया। डब्बावालों ने अमिताभ बच्चन और उनका परिवार जल्द कोरोना ने ठीक हो कर घर लौटें, साथ ही कोरोना योद्धाओं को ईश्वर और शक्ति प्रदान करें, भगवान से यह प्रार्थना की।

# गैंगरेप के विरोध में एसपी कार्यालय को घेरा

## 1 माह बीत जाने के बाद भी आरोपी पुलिस के पहुंच से बाहर

**संवाददाता**

**समस्तीपुर।** विभूतिपुर थाना क्षेत्र के चक हब्बी टोला में हुए गैंगरेप की घटना के विरोध में आज पीड़ित परिवार के साथ साथ विभिन्न संगठनों ने समस्तीपुर एस पी मुख्यालय को घेरा। बताया जाता है कि एक महीना पूर्व दिनांक 12:06.2020 को शौच के शौच के लिए गई नाबालिग लड़की को गांव के ही 3 मनचलों ने बारी बारी से गैंग रेप किया। इस मामले को लेकर पीड़ित परिवार ने समस्तीपुर महिला थाना में एक आवेदन दिया जिसमें गांव के ही 3 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया। एक महीना बीत जाने के बाद भी अभी तक सभी आरोपी छुट्टे

घूम रहे हैं विभूतिपुर थाना प्रभारी के द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ित परिवार एवं गांव के लोगों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्याप्त हैं। घेराव कर रहे आक्रोशित लोगों की मांग थी के विभूतिपुर थाना प्रभारी का अविलंब तबादला किया जाए थाना प्रभारी के द्वारा उचित कार्रवाई नहीं करने से ग्रामीण आक्रोशित हैं। इस मामले को लेकर महिला थाना अध्यक्ष ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विभूतिपुर थाना अध्यक्ष से मिली एवं उनसे अतिरिक्त बल की मांग की विभूतिपुर थाना प्रभारी के द्वारा उनको कहा गया कि हमारे पास अतिरिक्त बल नहीं है। नामजद अभियुक्त में राजेश रावत, चंद्रदेव महतो, शत्रुधन रावत का नाम शामिल है। आरोपितों के द्वारा केश उठाने की धमकी दी जा रही है, कि केश उठालो नहीं तो दुबारा गैंग रेप करेंगे एवं घर में आग लगा देंगे। इस मामले में विभूतिपुर पुलिस का क्रिया कलाप संदिग्ध दिख रहा है। वरीय पुलिस प्रशासन के आश्वासन के बाद आक्रोशित लोगों को समझाया जा सका।

## न्यू कॉलोनी वार्ड नंबर 3 स्ट्रीट नंबर 1 में पानी जमा होने के कारण स्थिति गंभीर है

**समस्तीपुर।** शहर के धरमपुर मोहल्ले के वार्ड नंबर 3 न्यू कॉलोनी में पानी जमा होने के कारण इलाके के निवासियों का जीवन मुश्किल हो गया है। आस-पड़ोस को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इलाके के निवासियों का कहना है कि कई दिनों से पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जिसके कारण गली में पानी जमा हो गया है, पानी के जमाव से मच्छरों की महामारी बढ़ गई है। नाले की सफाई न होने के कारण पानी नहीं बह रहा है, जिसके कारण इलाके में रहने वाले लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन उस पर नगर परिषद के अधिकारियों का ध्यान नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वार्ड आयुक्त के उनके वार्ड में नहीं आने का कारण यह है कि अगर वार्ड आयुक्त क्षेत्र में आए होते तो उन्हें क्षेत्र की समस्याओं के बारे में पता होता। अब यह देखा जाना बाकी है कि कब तक आस-पड़ोस के लोगों को स्थिर पानी से राहत मिलेगी। इस बीच, लोगों का कहना है कि डीडीटी का छिड़काव ठीक से नहीं किया गया है, जिसके कारण क्षेत्रों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है।

# डाटा एंट्री ऑपरेटर की हड़ताल 27 वे दिन भी जारी

**समस्तीपुर।** आज दिनांक 13/07/2020 को हड़ताल के 27वे दिन जिला स्वास्थ्य समिति की घेरावन्दी, तलावन्दी हड़ताली डेटा इन्ट्री ऑपरेटरों में द्वारा किया गया। प्रभारी सिविल सर्जन के हस्तक्षेप पर घेरावन्दी तालाबंदी कार्यक्रम को स्थगित कर धरना कार्यक्रम को चलाया गया। धरना कार्यक्रम को संवोधित करता हुए महासंघ गोप गूट के जिला सचिव श्री अजय कुमत ने कहा कि जिला स्वास्थ्य समिति स्वास्थ्य विभाग के कार्य और डेटा इन्ट्री के हरताल को अनदेखी कर नए लड़को की अवैध ढंग से नियुक्ति की प्रक्रिया और दलाली में लगी हुई है। विगत 7 वर्ष पहले सभी 84 डेटा एन्ट्री ऑपरेटर जिला स्वास्थ्य समिति के द्वारा टंकण दक्षता की परीक्षा की प्रक्रिया के साथ अन्य प्रक्रिया भी नियमानुसार कर डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के पद पर बहाल हुए थे। विदित हो कि टंकण दक्षता जिला स्वास्थ्य समिति के द्वारा समाहरणालय समस्तीपुर के एनआईसी में ली गयी थी ।सिविल सर्जन समस्तीपुर को उल्लेखित करते हुए कार्यालक निदेशक को अविलंब लिखनी चाहिए और हड़ताली डाटा इन्ट्री ऑपरेटर से वार्ता कर हड़ताल तोड़वाकर जिले में सुचारूरूप से डाटा एंट्री का काम लेना सुनिश्चित करे। अन्यथा जिला स्वास्थ्य समिति के विरूद्ध संगठन उग्र से उग्रतर आंदोलन करेगी जिसकी जबाबदेही जिला स्वास्थ्य समिति की होगी। वक्ता में चंदन कुमार ने कहा कि आज हरताल के 27वे दिन हमलोग जिला स्वास्थ्य समिति की घेरावन्दी एवं तालवंदी की है, अगर जिला स्वास्थ्य समिति दलाली की नीति नही छोड़ती है और अवैध वसूली के फिराक में रहती है तो आगे कालिख पोतने की कार्यक्रम भी होगी ।वक्ता में आदित्य श्रीवास्तव ने कहा कि जिला स्वास्थ्य समिति की दलाली नीति की घोर निंदा करते है और सभी 84 साथियों के साथ समायोजन की माँग जिला प्रशाशन/राज्य प्रशाशन से करते है। धरना सभा की अध्यक्षता अमरेन्द्र कुमार ने किया। अन्य वक्ताओ में वीरेंद्र कुमार, साहबलाल ठाकुर, प्रभाकर कुमार ठाकुर, अनिल कुमार, मोना कुमारी, करिश्मा कुमारी, अजय कुमार,ललन शर्मा आदि सभी वक्ताओ ने सिविल सर्जन समस्तीपुर की असहयोग नीति की निंदा की और कहा कि सिविल सर्जन के साथ साथ 6 कार्यालय विगत 18 दिनों से बंद है और हमलोगों के जायज मांग को सुननेवाला कोई नही है। सभी हड़तालियों ने करो या मरो के नारा के साथ आंदोलन में बने रहने की सपथ ली।

## समस्तीपुर हलचल

### दरबा गांव में विवाहिता की हत्या करने के बाद घर के सभी लोग फरार

**समस्तीपुर/मोरवा।** हलई ओपी क्षेत्र के दरवा गांव में रविवार की रात एक विवाहिता की हत्या कर दी गई। उसकी पहचान वार्ड संख्या पांच निवासी राजदेव सहनी के पुत्र जीतेंद्र कुमार सहनी की पत्नी बीस वर्षीया गुड़िया देवी के रूप में की गई है। गले में फंदा कस कर हत्या करने के बाद उसे बिछावन पर लिटा कर घर के सभी लोग फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही हलई ओपी के छोटे दारोगा शंभू प्रसाद ने घटनास्थल पर पहुंचकर लाश बरामद कर स्थानीय लोगों की शिनाख्त के बाद लाश पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया है। मृतका गुड़िया देवी के पिता ताजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मोरवा प्रखंड के चक सिकंदर पंचायत निवासी मनोज सहनी ने अपनी पुत्री की हत्या के विरुद्ध अपने दामाद एवं मृतका के पति जितेंद्र कुमार सहनी सहित परिवार के अन्य परिजनों को आरोपित किया है।ओपी अध्यक्ष संदीप कुमार पाल एवं शंभू प्रसाद ने प्राथमिकी दर्ज कर अनसंधान शुरू कर दिया है। विदित हो कि विगत दस दिन पूर्व भी पारिवारिक विवाद के कारण पुलिस के समक्ष पहुंचे पति पत्नी को स्थानीय ग्रामीणों ने सुलह सफाई करते हुए समझा-बुझाकर घर में फिर से रखवाया था। अचानक रविवार की रात विवाहिता की हत्या कर दिए जाने से संपूर्ण क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। हलई ओपी पुलिस द्वारा आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। समाचार प्रेषण तक सभी आरोपी फरार बताए गए हैं।

### मोहम्मद जाहिद की लाश 24 घंटे बाद मिली

**समस्तीपुर।** समस्तीपुर शहर के धरमपुर वार्ड संख्या -02 के निवासी मो. मोतिउर रहमान के पुत्र मो. जाहिद हुसैन (उम्र-26) ने कल सुबह लगभग 10 बजे बूढ़ी गंडक नदी में छलांग लगा दी थी। जानकारी मिलने पर स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने प्रशासनिक पदाधिकारियों से बात करके एनडीआरएफ की टीम को बुलाने की मांग किया। तदुपरांत कल शाम 05 बजे में एनडीआरएफ की टीम पहुंची। लेकिन आज दोपहर 02 बजे तक एनडीआरएफ की टीम लाश खोजने में विफल साबित हो रही थी। तब स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन शहरवासियों के साथ खुद बूढ़ी गंडक नदी के तट पर पैदल ही लाश को ढूढ़ने निकल पड़े, लगभग 03 बजे में खाटू श्याम मंदिर के पास लाश दिखने पर एक नाविक व स्थानीय लोगो के सहयोग से लाश को नदी से बाहर निकाला गया जबकि एनडीआरएफ की टीम डढ़िया (अंगार घाट के पास) में बूढ़ी गंडक नदी में लाश ढूढ़ती रह गयी। स्थानीय विधायक ने कहा कि घटना के कुछ देर बाद तक एनडीआरएफ की टीम का नहीं पहुंचना तथा लाश खोजने ने नाकाम रहना आपदा विभाग व एनडीआरएफ की विफलता का सूचक है। राजद के प्रदेश प्रवक्ता व समस्तीपुर के स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि जिले में बाढ़ के पूर्व आनेवाली आपदा को लेकर एनडीआरएफ की टीम को समस्तीपुर जिला मुख्यालय में तैनात किया जाना चाहिए। घटना के उपरांत पटना से एनडीआरएफ की टीम को जिला मुख्यालय आने में बेहद समय लग जाता है। गौरतलब है कि बिहार के विभिन्न जिलों में प्रतिवर्ष बाढ़ का कहर टूटता है, जिससे लोग तबाह हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ की टीम को विशेष निर्देश देकर टीम को जिले में तैनात किया जाय ताकि किसी भी आपदा के समय लोगों को बचाने व सुरक्षा के तैयार रहे। एनडीआरएफ के तमाम अधिकारियों के साथ बाढ़ की तैयारियों को लेकर समस्तीपुर जिले के विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित करने तथा एनडीआरएफ की टीम को समस्तीपुर जिला मुख्यालय में प्रतिनियुक्त करने की मांग राजद के प्रदेश प्रवक्ता व विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने बिहार सरकार से की है। मौके पर जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, नगर राजद अध्यक्ष जितेन्द्र प्रसाद 'नन्नकी, प्रखंड अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव उर्फ टुनटुन यादव, राजद नेता बच्चा बाबू, संदीप कुमार, मो. चीना आदि मौजूद थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# हेयर स्पा के साथ रखेंगी इन बातों का ख्याल तो नहीं होंगे बाल ड्राई

हेयर स्पा के बाद क्या करें : लड़कियां बालों को सॉफ्ट-स्मूद, शाइनी और डैमेज हेयर को रिपेयर करवाने के लिए हेयर स्पा करवाती है। हेयर स्पा ट्रीटमेंट बालों की किस्म को ध्यान में रखकर किया जाता है। किस तरह के बाल और किस समस्या को कैसे ट्रीटमेंट की जरूरत है यह आपको एक्सपर्ट पहले ही बता देते हैं। मगर बालों की केयर के लिए सिर्फ हेयर स्पा करवाना ही काफी नहीं है। हेयर स्पा के बाद कुछ टिप्स को फॉलो करना भी जरूरी होता है, नहीं तो इन्हें खराब होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। आइए जानते हैं हेयर स्पा करवाने के बाद आपको क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

**हेयर स्पा के बाद क्या ना करें?**

1. हेयर स्पा से पहले या बाद में शैम्पू का डायरेक्ट इस्तेमाल करने से बचें। बालों को शैम्पू करने के लिए पहले इसे पानी में मिक्स करके थोड़ा डाइल्यूट करें। इससे आपके बालों को नुकसान नहीं होगा।

2. हेयर स्पा के बाद लड़कियां ऑयलिंग करना छोड़ देती है, जोकि गलत है। बालों को सॉफ्ट और मजबूत बनाने के लिए हेयर स्पा के बाद भी रेग्युलर ऑयलिंग करना बहुत जरूरी है।

3. घर से बाहर जाते समय बालों को धूप और पॉल्यूशन से बचाकर रखें। इसके लिए आप बालों को स्कार्फ या हैट से अच्छी तरह कवर कर सकती हैं।

4. हेयर स्पा करवाने के बाद के बाद कंडीशनर को बिल्कुल इग्नोर ना करें। कंडीशनर का इस्तेमाल हेयर स्पा के इफेक्ट को लंबे वक्त तक बनाए रखने के साथ बालों की शाइन को भी बरकरार रखता है। इसके अलावा रेगियुलर कंडीशनर के साथ हेयर सीरम का इस्तेमाल न भूलें।

**हेयर स्पा के बाद क्या ना करें?**

1. बेशक हेयर स्पा के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल जरूरी होता है लेकिन कुछ दिनों बाद ही इन्हें यूज करें।

2. हेयर स्पा के 2-3 दिन तक हेयरवॉश या बालों पर पानी का इस्तेमाल ना करें। हेयर स्पा में बालों की डीप कंडीशनिंग की जाती है। ऐसे में अगर आप तुरंत बाल धो लेंगी तो मॉइश्चर निकल जाएगा और आपको स्पा का कोई फायदा नहीं मिलेगा।

3. इसे करवाने के कुछ समय तक बालों को कलर या हाइलाइट करवाने से भी बचें। इसके अलावा बालों में किसी भी तरह का कोई ट्रीटमेंट न करवाएं।

4. हेयर स्पा के बाद हॉट शॉवर लेना भी आपके बालों को खराब कर देगा। हॉट शॉवर से बालों के मॉइश्चराइजर को नुकसान पहुंचता है और इससे स्पा का फायदा भी खत्म हो जाता है।

5. कुछ समय तक हीट या स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल भी न करें। अगर आपको इनका इस्तेमाल करना है तो बालों पर पहले एंटी-हीट स्प्रे लगाएं।

6. बालों को कोम्ब करने के लिए चौड़ी कंघी का इस्तेमाल आपके लिए बिल्कुल सही है। इससे आपके बाल अच्छी तरह सुलझ जाएंगे और टूटेंगे भी नहीं।

# बड़े फायदेमंद हैं ये मसाले, यूं करें इस्तेमाल और रहें तंदरुस्त

भारतीय रसोई में खाने का जायका बढ़ाने के लिए तरह-तरह के मसालों का इस्तेमाल किया जाता है। इनकी खुशबू जितनी अच्छी होती है, सेहत के लिए भी ये बहुत फायदेमंद होते हैं। छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज में इनका बाखूबी इस्तेमाल किया जा सकता है। सर्दी, गला खराब, सिर दर्द आदि जैसी परेशानियों को दूर करने के लिए काली मिर्च, हींग,जीरा आदि दवाई का काम करते हैं।

**1. लहसुन -** पेट दर्द में आधा चम्मच लहसुन का रस, 4 चम्मच पानी और सेधा नमक डालकर पीएं।

**2. हींग -** सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए पानी और हींग का पेस्ट बनाकर माथे पर लगाएं।

**3. काली मिर्च -** काली मिर्च और गुड का सेवन करने से खांसी ठीक हो जाती है।

**4. कपूर -** मुंह के छाले होने पर कपूर को घी के साथ मिलाकर लगाएं।

**5. जीरा -** जीरे के पाउडर को पुराने गुड के साथ खाने से बुखार जल्दी ठीक हो जाता है।

# ना कोई क्रीम ना ब्यूटी ट्रीटमेंट, इन होममेड टिप्स से पाएं ग्लोइंग स्किन

ग्लोइंग फेस के उपाय : चेहरे पर पिंपल्स हो या मुंहासे की समस्या, लड़कियों को अक्सर ऐसी छोटी-मोटी ब्यूटी प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ता है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप मंहगे से मंहगे ब्यूटी ट्रीटमेंट या क्रीमों का सहारा लेती है लेकिन इससे कोई खास फर्क दिखाई नहीं देता। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताएंगे, जो इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए काफी कारगर साबित होंगे।

**1. अदरक और नींबू का रस**

सिर्फ सेहत ही नहीं, अदरक स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। अदरक और नींबू के रस को मिलाकर दाग-धब्बों पर 20 मिनट के लिए लगाएं। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। आपकी सभी प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

**2. पपीता**

पपीते का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा को प्रोटीन मिलता है, जिससे स्किन प्रॉब्लम के साथ रंगत भी साफ होती है। हफ्ते में इसे 2-3 बार चेहरे पर जरूर लगाएं। इससे आपको कुछ समय में ही फर्क दिखाए देने लगेगा।

**3. सरसों का तेल और हल्दी**

सरसों का तेल और हल्दी को मिक्स करके पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाने के बाद ठंडे पानी से साफ करें। इसके नियमित इस्तेमाल से कुछ समय में ही आपकी त्वचा ग्लोइंग और बेदाग हो जाएगी।

**4. शहद, चंदन पाउडर और हल्दी**

शहद, चंदन पाउडर और हल्दी पाउडर को मिक्स करके चेहरे पर लगाने से दाग-धब्बे, मुंहासे और पिंपल्स की समस्या खत्म हो जाती है। इसे रोजाना 10 मिनट चेहरे पर लगाने से बाद ठंडे पानी से साफ करें।

**5. नारियल का तेल**

नारियल का तेल लगाने से स्किन को नमी मिलती है और यह भी एंटीबैक्टीरियल होता है। जहां धब्बे हो वहां सोते समय नारियल तेल लगाकर रातभर छोड़ दें। सुबह फेसवॉश से चेहरे को साफ करें। इसके नियमित इस्तेमाल से आपको कुछ समय में ही फर्क दिखने लगेगा।

**ग्लोइंग फेस के उपाय :** चेहरे पर पिंपल्स हो या मुंहासे की समस्या, लड़कियों को अक्सर ऐसी छोटी-मोटी ब्यूटी प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ता है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप मंहगे से मंहगे ब्यूटी ट्रीटमेंट या क्रीमों का सहारा लेती है लेकिन इससे कोई खास फर्क दिखाई नहीं देता। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताएंगे, जो इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए काफी कारगर साबित होंगे।

**1. अदरक और नींबू का रस**

सिर्फ सेहत ही नहीं, अदरक स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। अदरक और नींबू के रस को मिलाकर दाग-धब्बों पर 20 मिनट के लिए लगाएं। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। आपकी सभी प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

**2. पपीता**

पपीते का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा को प्रोटीन मिलता है, जिससे स्किन प्रॉब्लम के साथ रंगत भी साफ होती है। हफ्ते में इसे 2-3 बार चेहरे पर जरूर लगाएं। इससे आपको कुछ समय में ही फर्क दिखाए देने लगेगा।

**3. सरसों का तेल और हल्दी**

सरसों का तेल और हल्दी को मिक्स करके पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाने के बाद ठंडे पानी से साफ करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# लॉकडाउन में तैयार किए 300 गाने, जल्द आएगा मेरा बड़ा प्रोजेक्ट: हिमेश

**म्यूजिक** कंपोजर और सिंगर हिमेश रेशमिया पिछले कुछ समय से बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री का एक अहम हिस्सा रहे हैं। रेश्मिया ने सलमान खान की फिल्म प्यार किया तो डरना क्या से अपने करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में सुपरहिट म्यूजिक दिया और अपनी आवाज से लोगों को अपना फैन बना लिया। हिमेश ने हाल ही में म्यूजिक कंपोजर राजेश रोशन के एमएक्स प्लेयर टाइम्स ऑफ म्यूजिक के साथ हाथ मिलाया है और वे अपने एक बड़े प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। हिमेश ने हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत की। उनसे पूछा गया कि आखिर वे अपने आपको लॉकडाउन में कैसे बिजी रख रहे हैं? इस पर बात करते हुए हिमेश ने कहा कि मैंने एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए 700 सॉन्ग्स कंपोज किए हैं जिनमें से लॉकडाउन में ही मैंने 300 नए गाने तैयार किए हैं।

# मुझे 13 साल की उम्र में ही मुकेश छाबड़ा ने कास्ट कर लिया था: संजना सांघी

सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। सुशांत के फैन्स इसे काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म में सुशांत के ऑपोजिट संजना सांघी लीड रोल में डेब्यू कर रही हैं। संजना इससे पहले भी फिल्मों में छोटे-मोटे रोल कर चुकी हैं लेकिन लीड ऐक्ट्रेस के तौर पर यह उनकी डेब्यू फिल्म है। इस फिल्म का पहला गाना भी रिलीज हो गया है और फैन्स इसे सुनकर काफी इमोशनल हो रहे हैं। हाल में संजना ने इस फिल्म में एआर रहमान के म्यूजिक की तारीफ करते हुए एक लंबी पोस्ट लिखी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 13 साल की उम्र में मुकेश ने दिल्ली में मेरे स्कूल में परफॉर्म करते हुए देखा था और मुझे ऑडिशन देने के लिए कहा था। इसके बाद उन्होंने 'रॉकस्टार' में मैंडी का रोल मुझे दिलवाया। रॉकस्टार के दौरान कई जादुई बातें मेरे साथ हुईं लेकिन उनमें सबसे ऊपर एआर रहमान सर का म्यूजिक है। संजना ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, अगर आप मुझसे कहते कि वह (मुकेश छाबड़ा) मुझे मेरी डेब्यू फिल्म दिल बेचारा में मौका देंगे जो मेरी फेवरिट नॉवल 'द फॉल्ट इन ऑवर स्टार्स' पर बनी है और इसमें रहमान का म्यूजिक होगा और मुकेश मुझे डायरेक्टर करेंगे तो मैं इसे सपने में भी नहीं सोच सकती थी। थैंक्यू रहमान सर, आपके इस आशीर्वाद के लिए, यह सम्मान की बात है।

# उर्वशी रौतेला ने अपनी फीस बढ़ाकर की 7 करोड़

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी आने वाली कॉमिडी ड्रामा फिल्म 'वर्जिन भानुप्रिया' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके साथ ऐक्टर गौतम गुलाटी भी नजर आएंगे। इस बीच ऐक्ट्रेस को लेकर इंट्रेस्टिंग अपडेट सामने आया है। कहा जा रहा है कि अब उर्वशी ने अपनी फीस में बढ़ोतरी कर दी है और यह बढ़कर 7 करोड़ रुपये हो गई है। 'वर्जिन भानुप्रिया' में बाकी ऐक्टर्स के मुकाबले उर्वशी को सबसे ज्यादा पैसे दिए गए हैं। खबर के मुताबिक, उर्वशी को बॉलिवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन के साथ एक सुपरहिट सीक्वल फिल्म ऑफर हुई थी लेकिन डेट्स के कारण वह इस प्रॉजेक्ट को नहीं कर पाईं। बात करें 'वर्जिन भानुप्रिया' की तो यह ऐक्ट्रेस के रोल के कारण चर्चा में बनी हुई है।